

DPN 6980

धर्मशंख DHARMA SANKHA

Title :

Run. No. 7705

Cat. No. 12

Micro. No.

Subject गीत Song.

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 17.5 x 8

Folios 1

Lines (in a page) 10

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Indrapati Darshana Dharī

Author / translator

Scribe / donor इन्द्रपति दर्शनधारी / डा. कमलप्रकाशमल्ल

Date: NS / SS / VS / KS 942

Ruler / place Dr. Kamala Prakashan

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. : Malla.

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इति धर्मशंख सम्पूर्णा ॥

श्री गुरु ग्वन्तवनाथ चरण कमोर पादुका तमोस्तुते ॥

P.T.O.

शुभ संवत् ५४२ भाद्र कृष्ण १५ राज ५ स सिवरात्रि च कुन्द सिधयका
जुह शुभ ॥ लेखितं प्रशान्त धारि इन्द्रपति जुहो शुभ सर्वदा शुभ ॥

20

15

10

5

0 cms.

5

10

15

20

25



20

15

10

5

0 cms.

5

10

15

20

25



कहि न जाय जाय भान्दि गुमादा दव सिद्धु न स कानि दव ता दुष्क
काहि कस्य न मा संघन भू सिव कु मी आदिना थय ना कली हा वि ॥ ३ ॥
ना ॥ ॥ ॥ निष मी गं व सय क स मू व दा व क ना ह ल ग या य मू ना मू क
अव न स म्या य ला न उ वा प्र कि वि ना ल नि या य न ला य न यं ध न ह न क म
दु ना क आ या ह व न ॥ ३ ॥ म ४ ति मा य २ ॥ श्री गुरु ग ल ष ना थ च न नै क
मा य या दू का न म लु ने ॥ ॥ ॥ गुरु क त्या म गुरु ॥ ॥ ॥ ॥
॥ गुरु स व न ॥ १ २ मा धी कू १ ७ ना ३ ७ स सिव ना वि थ कू कू सिध य
का र न गुरु ॥ ल वि न दं ग न अ नि ॥ १ २ य कि रु ना गुरु स व दा गुरु ॥
व कू जि न रु ल क ऊ यी वि दू गा द ग र्ध व नां ग सु म य सा धि न त स कू नि त
य या ल ल स सा य ता नि ड य यं कि नि ॥ प्रा य न व स मां ग य का व दू वा ज ला

गुरु ॥
गुरु ॥
गुरु ॥
गुरु ॥
गुरु ॥
गुरु ॥
गुरु ॥
गुरु ॥
गुरु ॥
गुरु ॥